

“विश्व निवेशक सप्ताह 2026” के अवसर पर सेबी के अध्यक्ष श्री तुहिन कांत पाण्डे का संदेश



“एक जागरूक निवेशक ही सुरक्षित निवेशक होता है!” वैसे तो सुनने में यह एक साधारण-सी बात लगती है, किंतु निवेशकों की सुरक्षा और बाजार के विकास की दिशा में सेबी जब भी कोई कदम उठाता है, तो इस बात का खास ख्याल रखता है कि इस मूल सिद्धांत से किसी भी प्रकार का कोई समझौता न हो। सेबी के लिए, निवेशक सुरक्षा कोई अलग लक्ष्य नहीं है; बल्कि यह तो हमारे हर कदम का आधार है - फिर चाहे वह कदम सुधार लाने की दिशा में उठाया जा रहा हो, या फिर बाजार के लिए विनियामक व्यवस्था तय करने की दिशा में। निवेशकों की सुरक्षा की यह भावना हमारी पूरी कार्य-प्रणाली में रची-बसी है।

आज भारत का पूँजी बाजार (कैपिटल मार्केट) बदलाव के दौर से गुजर रहा है। बाजार में आम लोगों की भागीदारी लगातार बढ़ रही है, निवेश के नए-नए विकल्प सामने आ रहे हैं और तकनीक का भी भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। यही वजह है कि निवेशक छोटी-छोटी बचतों के लिए और भविष्य के लिए पैसा जुटाने (वेल्थ क्रिएशन) के लिए तथा कंपनियाँ पैसा जुटाने के लिए शेयर बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) का रुख कर रही हैं। लेकिन इस तरक्की के साथ-साथ हम सब पर एक बड़ी जिम्मेदारी भी आ जाती है - यह सुनिश्चित करने की कि हमारा विकास भरोसे, पारदर्शिता और निवेशकों की सुरक्षा की मजबूत नींव पर खड़ा हो।

सेबी के मुख्य रूप से तीन उद्देश्य हैं - निवेशकों के हितों की रक्षा करना, सिक्यूरिटीज़ मार्केट का विकास करना और उसे विनियमित करना। अपने इन्हीं उद्देश्यों को पूरा करने के लिए सेबी ने 'प्रोजेक्ट जागरूक' की शुरुआत की है। यह वित्तीय साक्षरता की दिशा में और निवेशकों को जागरूक करने की दिशा में सेबी द्वारा देशभर में चलाया जाने वाला एक अभियान है। यह अभियान न केवल अलग-अलग भाषाओं में बल्कि अलग-अलग माध्यमों (अर्थात् ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही तरह) से चलाया जा रहा है। इस अभियान का लक्ष्य है - देश के कोने-कोने में आसान और असरदार तरीके से निवेशकों को जागरूक करना। सेबी इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, अपनी सहयोगी संस्थाओं के जरिए शेयर बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) से जुड़े सैकड़ों प्रशिक्षकों (स्मार्ट्स) को तैयार कर रहा है, ताकि वे स्थानीय भाषाओं में निवेशकों को प्रशिक्षित कर सकें। इस प्रकार यह सुनिश्चित हो पाएगा कि निवेशक

भविष्य के लिए पैसा जुटाने (वेल्थ क्रिएशन) का अपना सफर पूरी समझ के साथ, एक सुरक्षित और पारदर्शी माहौल में शुरू करें । देश के हर राज्य और केंद्र-शासित प्रदेश में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने की जिम्मेदारी शेयर बाजार में काम करने वाली संस्थाओं जैसे कि बी.एस.ई., एन.एस.ई., सी.डी.एस.एल., एन.एस.डी.एल. और एम्फी (असोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया) को सौंपी गई है, जिन्हें हम आमतौर पर एस.एम.पी. कहते हैं । ये संस्थाएँ अपने-अपने राज्यों / केंद्र-शासित प्रदेशों में जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करने के सिलसिले में योजनाएँ बनाएंगी और आपसी तालमेल से कार्यक्रम आयोजित करेंगी । सेबी समाज के पिछड़े और कमजोर तबके के लोगों को जागरूक करने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित कर रहा है । इन कार्यक्रमों का उद्देश्य है - उन्हें वित्तीय रूप से साक्षर बनाना और इतना सक्षम बनाना कि वे सोच-समझकर अपने निवेश संबंधी निर्णय ले सकें और वे फर्जी स्कीमों के झाँसे में न आएं । इस वर्ष सेबी का विशेष जोर युवाओं को जागरूक और शिक्षित करने पर रहा है, क्योंकि देश का भविष्य युवाओं के हाथों में ही होता है । इस दिशा में, सेबी ने “Mentoring of University/College Students through Trainers (MUST)” नाम से एक व्यवस्था बनाई है । इस व्यवस्था के तहत, एस.एम.पी. कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर उनके इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल करके और उनके द्वारा चुने गए शेयर बाजार के ट्रेनर के जरिए छात्रों को वित्तीय साक्षरता और शेयर बाजार (सिक्यूरिटीज़ मार्केट) से संबंधित जानकारी देंगे ।

इसके साथ ही, सेबी डिजिटल और सोशल मीडिया के जरिए बाजार में की जा रही धोखाधड़ी आदि पर लगाम कसने के लिए तेजी से कदम उठा रहा है । जैसे-जैसे बाजार से नए-नए लोग जुड़ते जा रहे हैं, वैसे-वैसे इस बात की जरूरत भी बढ़ती जा रही है कि गुमराह करने वाली सलाह, रजिस्ट्रेशन लिए बिना ही दी जाने वाली सिफारिशों, मनगढ़ंत और बढ़ा-चढ़ाकर मुनाफा दिलाने के संबंध में किए जाने वाले वादों और किसी भी तरह के उकसावे से सावधान रहा जाए और उनके झाँसे में न आया जाए, क्योंकि इससे निवेशकों को नुकसान हो सकता है और बाजार से उनका भरोसा उठ सकता है । इसी वजह से, इन नई चुनौतियों से निपटने के लिए हम ऐसी गतिविधियों पर नज़र रखने और लोगों को जागरूक करने की व्यवस्था को लगातार और भी बेहतर बना रहे हैं ।

तेजी से बदलते शेयर बाजार के इस दौर में, सेबी ने तकनीक के क्षेत्र में भी काफी बदलाव किए हैं । अब इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि डाटा का विश्लेषण करके और बाजार पर नज़र रखने की आधुनिक तकनीक (SupTech) का इस्तेमाल करके बाजार में गड़बड़ी होने से पहले ही उसका पता लगा लिया जाए । सेबी बाजार में होने वाली किसी भी गड़बड़ी या हेरफेर को पकड़ने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और मशीन लर्निंग (ML) जैसे आधुनिक टूल्स

का इस्तेमाल कर रहा है, जिनके जरिए ट्रेडिंग पैटर्न पर नज़र रखी जा रही है, असामान्य गतिविधियों की पहचान की जा रही है और भ्रामक या हेरफेर करने के इरादे से की जा रही गतिविधियों (जैसे डिजिटल और सोशल मीडिया पर झूठे दावे करना और निवेशकों के हित के खिलाफ काम करना) का पता लगाया जा रहा है। इसके अलावा, सेबी ने स्कोर्स 2.0 के जरिए निवेशकों की शिकायतों के निवारण की व्यवस्था को भी और बेहतर बनाया है। स्कोर्स 2.0 को ओडीआर व्यवस्था से जोड़ दिया गया है, और इस पूरी व्यवस्था को पहले की तुलना में काफी व्यवस्थित बना दिया गया है जिससे अब शिकायतों का निवारण तय समय-सीमा के भीतर डिजिटल रूप से ही मुकम्मल हो पाता है।

बीते कुछ वर्षों में, सेबी ने निवेशकों को ध्यान में रखते हुए कई अहम कदम उठाए हैं, ताकि बाजार पर निवेशकों का भरोसा बढ़े, उनके हितों की रक्षा की जा सके और वे आसानी से निवेश कर सकें। इस दिशा में सेबी द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी नीचे दी गई है:

- सेबी चेक की व्यवस्था बनाई गई है, जिसके जरिए निवेशक इंटरमीडियरी के बैंक खाते संबंधी ब्यौरों की पुष्टि कर सकते हैं।
- मान्य यू.पी.आई. हैंडल व्यवस्था बनाई गई है, जिसके जरिए निवेशक सुरक्षित तरीके से भुगतान कर सकते हैं।
- गूगल प्ले स्टोर पर ब्रोकर्स के ट्रेडिंग ऐप्स के लिए एक वेरिफाइड लेबल की शुरुआत की गई है, जिससे निवेशकों को ऐप डाउनलोड करने से पहले ही यह पता चल जाता है कि वह ऐप सही है या नहीं।
- डिजिलॉकर के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर का इस्तेमाल करके उन शेयरों की संख्या में कमी लाने के प्रयास किए गए हैं, जिन्हें लेकर कोई दावा नहीं किया जाता।
- नॉमिनेशन और ट्रांसफर की पूरी प्रक्रिया को पहले से कहीं ज्यादा आसान बना दिया गया है।
- सोशल मीडिया के जरिए फैलाई जाने वाली भ्रामक और गलत जानकारियों पर अब और भी पैनी नज़र रखी जा रही है।
- पंचायती राज मंत्रालय के साथ मिलकर ग्रामीण इलाकों में वित्तीय साक्षरता लाने के लिए ब्लॉक स्तर के पंचायत प्रतिनिधियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि वे देश के कोने-कोने में जाकर ग्रामीण इलाकों में रहने वाले निवेशकों को जागरूक कर सकें।

सेबी, अधिक से अधिक निवेशकों को जागरूक करने के लिए एक्स (X), फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और लिंकडइन जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का भी भरपूर इस्तेमाल कर रहा है। इन प्लेटफॉर्मों के जरिए शैक्षणिक सामग्री साझा की जा रही है और बाजार में हो रही धोखाधड़ी से

भी निवेशकों को आगाह किया जा रहा है । इसके अलावा, सेबी ने अब व्हाट्सऐप पर भी अपना निवेशक जागरूकता अभियान शुरू किया है ।

अधिक से अधिक निवेशकों से जुड़ने के लिए, सेबी चरणबद्ध तरीके से प्रमुख राज्यों की राजधानियों और बड़े शहरों में फिर से अपने स्थानीय कार्यालय खोल रहा है । इस योजना के पहले चरण में, सेबी 8 नए स्थानीय कार्यालय खोलने जा रहा है । सेबी स्थानीय कार्यालयों के जरिए निवेशकों से स्थानीय स्तर पर जुड़ सकेगा और उनकी शिकायतों का निवारण स्थानीय स्तर पर ही किया जा सकेगा ।

विश्व निवेशक सप्ताह आयस्को की एक पहल है और यह सप्ताह दुनियाभर में मनाया जाता है । विश्व निवेशक सप्ताह का 10वाँ संस्करण भारत में 5 अक्टूबर 2026 से 11 अक्टूबर 2026 तक मनाया जा रहा है । विश्व निवेशक सप्ताह-2026 का विषय है - **“समझ से इन्वेस्टिंग सिम्पल”** । इस दौरान निवेश से जुड़ी बुनियादी बातों की जानकारी दी जाएगी । इस दौरान, देशभर में निवेशकों में वित्तीय साक्षरता लाने और उन्हें जागरूक करने के लिए तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे । निवेशकों से मेरी यह अपील है कि वे इन कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और इनका लाभ उठाएँ ।

विश्व निवेशक सप्ताह 2026 हमें यह अवसर प्रदान करता है कि हम निवेशकों को शिक्षित करने, उनके हितों की रक्षा करने का संकल्प लें और उन्हें इस लायक बनाएँ कि वे निवेश संबंधी निर्णय सोच-समझकर ले सकें । निवेशक सही मायने में तभी सुरक्षित महसूस करेंगे जब विनियमों में उनकी सुरक्षा के लिहाज से पर्याप्त प्रावधान किए गए हों, बाजार से जुड़ी सभी संस्थाएँ निवेशकों के हित में काम करें और निवेशकों को भी पूरी जानकारी रहे । मैं निवेशकों से यह अपील करता हूँ कि वे बिना जाँचे-परखे कहीं से भी मिली जानकारी पर भरोसा न करें, केवल रजिस्टर इंटरमीडियरी के साथ ही लेनदेन करें, निवेश करने से पहले अपने स्तर पर पूरी जाँच-पड़ताल कर लें, और मुनाफे के संबंध में बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावों से हमेशा सावधान रहें ।

मेरी यह कामना है कि आप सभी सोच-समझकर, सुरक्षित तरीके से और पूरी जिम्मेदारी के साथ निवेश करें, इन्हीं शुभकामनाओं के साथ....

तुहिन कांत पाण्डे